RAJIV GANDHI NATIONAL UNIVERSITY OF LAW, PUNJAB
(Established under Punjab Act No. 12 of 2006)
(Accredited with 'A' Grade by NAAC)

RGNUL/PRO/2024/192
Date: 05-06-2024

RGNUL under the aegis of The Centre for Consumer Protection Law and Advocacy (CCPLA) celebrates World Environment Day 2024 5th June 2024

World Environment Day, celebrated annually on 5th June to put a spotlight on environmental challenges of our time. World Environment Day 2024 focuses on land restoration, stopping desertification and building drought resilience. In the backdrop of the searing heatwave that has gripped the north western parts of the country and the Urban Heat Island Effect, RGNUL under the aegis of CCPLA organised a climate awareness and sensitisation session through a panel discussion on the same. The event witnessed the participation of RGNUL employees and faculty, starting with an inaugural address by Prof. (Dr.) Jai S. Singh, Vice-Chancellor, RGNUL, Punjab. The discussion was spearheaded by Lt Gen. (Dr.) J.S. Cheema PVSM, AVSM, VSM, PH.D (Retd.), Vice Chancellor, The Maharaja Bhupinder Singh Punjab Sports University, Patiala who raised pertinent environmental issues of climate jurisprudence such as land use practices in agriculture with a special focus on stubble burning, urban heat island effect in the light of heat wave that has gripped the nation. The discussion witnessed a value addition focusing on the judicial activism of our apex court through Prof. (Dr.) Anand Pawar, Registrar, RGNUL, Patiala. The event witnessed a successful participation of RGNUL employees as well as faculty, coordinated successfully by Prof. (Dr.) Anand Pawar, Dr. Sangeeta Taak and Dr. Ankit Srivastava.

Public Relations Officer

6/6
Registrar

Sidhuwal, Bhadson Road, Patiala - 147 006 (Punjab), INDIA.
Tel.: 0175 – 2391600, 2391601, 2391602, 2391603
e-mail: info@rgnul.ac.in, pr@rgnul.ac.in website: www.rgnul.ac.in

Patiala Bhaskar (04)

आरजीएनयूएल एडवोकेसी ने मनाया विश्व पर्यावरण दिवस

पटियाला| राजीव गांधी यूनिवर्सिटी आफ लॉ में बुधवार को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया। उपभोक्ता संरक्षण कानून केंद्र और आरजीएनयूएल ने संयुक्त रूप से पर्यावरण दिवस को मनाते हुए कैंपस में पौधारोपण किया। मौजूदा मौसम का तापमान 50 डिग्री सेल्सियस से पार होना भी पर्यावरण को बिगाड़ने का एक संकेत है। वाइस चांसलर प्रो. (डॉ.) जेएस. सिंह ने भी इस महत्वपूर्ण चर्चा में हिस्सा लिया। आरजीएनयूएल पंजाब चर्चा का नेतृत्व लेफ्टिनेंट जनरल (डॉ.) जेएस चीमा ने किया। इस अवसर पर किसानों की ओर से खेतों में जलाई जाने वाली पराली या गेंहू के सीजन में जलाई जाने वाली गेहूं की नाड़ से भूमि की उर्वरा शक्ति के साथ-साथ धरती की उपरी सतह पर नमी खत्म हो रही है। कचरा प्रबंधन को लेकर मार्डेन तकनीक को सही रूप से प्रयोग में न लाना भी हमारे पर्यावरण को दूषित कर रहा है। कई बुद्धजीवियों ने कहा कि पर्यावरण को बिगाड़ने में हमारी अपना अहम भूमिका है। सप्ताह में एक बार नो-कार डे की घोषणा महज एक दिखावा या फैशन हो चुका है, जबकि हरेक व्यक्ति को पर्यावरण बिगाड़ने से बचाव करते हुए इसको शुद्ध करने के लिए जरूरी प्रयास में अपना सहयोग देना अनिवार्य है। इस अवसर पर प्रो. डॉ. आनंद पवार ने पर्यावरण को बचाने के लिए सर्वोच्च न्यायालय की न्यायिक सक्रियता पर ध्यान दिए जाने पर बल दिया। प्रो. डॉ. आनंद पवार के साथ-साथ डाक्टर संगीता और डाक्टर अंकित श्रीवास्तव ने भी इसी विषय पर अपने विचार रखे। सभी ने संयुक्त रूप से पर्यावरण को बचाने के लिए अपने-अपने स्तर पर प्रयास किए जाने की शपथ ली।